अध्याय – 5

प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी

याद रखने योग्य बातें :–

1. प्राकृतिक वनस्पति – वनस्पति का वह भाग जो मनुष्य की सहायता के बिना अपने आप पैदा होता है और लंबे समय तक उस पर मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता प्राकृतिक वनस्पति (अक्षत वनस्पति) कहलाता है।
2. देशज वनस्पति – वह वनस्पति जो कि मूल रूप से भारतीय है उसे देशज कहते हैं।
3. विदेशज वनस्पति – जो पौधे भारत के बाहर से आये हैं उन्हें विदेशज वनस्पति कहा जाता है।
4. बायोम – भूमि पर स्थित एक बहुत बड़ा परितन्त्र जिसमें विविध प्रकार की वनस्पतियाँ तथा जन्तु शामिल होते हैं। बायोम कहलाता है।
5. उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वन–भूमध्य रेखा के दोनों ओर 5 डिग्री उत्तर तथा 5 डिग्री दक्षिण के बीच आने वाले वन।
7. भारत की प्राकृतिक वनस्पति को पाँच भागों में बांटा जाता हैं
   1) उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वन (सदाबहार वन)
   2) उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन।
   3) कंटीले वन या झाड़ियाँ
   4) पर्वतीय वन
   5) मैंग्रोव वन।
8. उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन में पाये जाने वाले कुछ वृक्ष– साल, सागोन, बाँस, शीशम, चंदन, खैर, अर्जुन, शहतूत, पीपल, नीम आदि।
9. पर्वतीय वनों में पाये जाने वाले कुछ वृक्ष– ओक, चेस्टनट, चीड़, देवदार, सिल्वर–फर।
10. राष्ट्रीय पार्क – वह आरक्षित वन जिसमें प्राकृतिक वनस्पति, प्रकृति की सुंदरता और वन्य जीवों को उनके प्राकृतिक वातावरण में संरक्षित रखा जाता है।

1 अंक वाले प्रश्न :–

1. उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वन में पाये जाने वाले दो वृक्षो के नाम बताइये?
2. कौन सी वनस्पति व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है?
3. एशियाई शेर भारत के किस राज्य में पाये जाते हैं?
4. सिमलीपाल जैव मंडल निचय कौन से राज्य में स्थित है?
5. भारत में जीव–जन्तुओं की कितनी प्रजातियाँ पायी जाती हैं?
6 भारत में जैव सुरक्षा अधिनियम कब लागू किया गया था?
7. तटीय प्रदेशों में कौन से वन ज्वार से प्रभावित होते हैं?
8. किन्हीं दो औषधीय पौधों (पादप) के नाम बताईये?
9. भारत में कितने प्रकार की वनस्पति पायी जाती है?

3/5 अंक वाले प्रश्नः–

1. प्राकृतिक वनस्पति किसे कहते हैं?
2. भारत में पादपों तथा जीवों का वितरण किन तत्वों द्वारा निर्धारित होता है?
3. काँटेदार वन के वृक्षों की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।
4. भारत में जैव विभिन्नता के क्षरण के तीन कारण बताइये।
5. भारत में किन्हीं तीन नेशनल पार्कों के नाम बताइये।
6. पारिस्थितिक तन्त्र किसे कहते हैं?
7. भारत के प्रमुख वनस्पति क्षेत्रों का वर्णन कीजिये।
8. प्राकृतिक वनस्पति किस प्रकार के उद्योगों के लिये आधार प्रदान करती है?
9. वनों के अप्रत्यक्ष लाभों का वर्णन कीजिये?

उत्तरमाला

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. महोगनी और रबड़
2. उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वनस्पति

3. गुजरात
4. उड़ीसा
5. 90 हजार लगभग
6. 1972 में
7. मैग्रोव वन
8. नीम और तुलसी
9. 47000

3/5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. जो वनस्पति मनुष्य की सहायता के बिना अपने आप पैदा होती है। लंबे समय तक उस पर मानवीय प्रभाव नहीं पड़ता। प्राकृतिक वनस्पति कहलाती है।
2. 1) तापमान – वनस्पति की विविधता तथा विशेषतायें तापमान और वायु की नमी पर निर्भर करती है।
   2) सूर्य का प्रकाश – प्रकाश अधिक समय तक मिलने के कारण वृक्ष गर्मी की ऋतु में जल्दी बढ़ते है।
   3) वर्षण – अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में कम वर्षा वाले क्षेत्रों की अपेक्षा सघन वन पाये जाते हैं।
3. 1) ये वन 70 से.मी. से कम वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं।
   2) इन पेड़ों के तनों की प्रकृति चूषक (अवशोषक) होती है। जो संरक्षण के लिये आवश्यक है।
   3) इन पेड़ों की पत्तियाँ मोटी तथा आकार में छोटी होती है।
4. 1) जनसंख्या बढ़ने के कारण कृषि की मांग को पूरा करने के लिये वन काटे जा रहे हैं।
   2) मानव जाति तथा वन्य पशु अपनी आजीविका के लिये भी वनों का उपयोग करते हैं।
   3) प्रदूषण तथा रासायनिक औद्योगिक कचरा वनों की हानि के लिये उत्तरदायी है।

5. 1) कॉरबेट राष्ट्रीय उद्यान (उत्तराखंड)
   2) गिर राष्ट्रीय उद्यान (गुजरात)
   3) कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान (मध्यप्रदेश)

6. पारिस्थितिक तन्त्र आहार श्रंखला की दृष्टि से पादप और जन्तुओं द्वारा की गई एक व्यवस्था है, जिसके द्वारा वे अपने भौतिक पर्यावरण में परस्पर अन्तः निर्भरता और अन्तः सम्बन्ध बनाये रखते हैं।

7. भारत को प्राकृतिक वनस्पति के आधार पर वनस्पति क्षेत्रों भागों में बाँटा गया है।
   1) उष्ण कटिबन्धीय वर्षा वन
   2) उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन।
   3) कंटीले वन और झाड़ियाँ
   4) पर्वतीय वन
   5) मैंग्रोव वन

8. प्राकृतिक वनस्पति अनेक प्रकार के उद्योगों का आधार है।
   1) दियासलाई उद्योग – वनों से प्राप्त नरम प्रकार की लकड़ी दियासलाई बनाने के काम आती है।
   2) लाख उद्योग – लाख एक प्रकार के कीड़े से प्राप्त होती है।
   3) कागज उद्योग – कागज उद्योग में बाँस, सफेदा तथा कई प्रकार की घास प्रयोग की जाती है।
   4) वार्निश तथा रंग – वार्निश तथा रंग गंदे बिरोजे से तैयार होते हैं जो वनों से प्राप्त होता है।
   5) औषधि निर्माण – वनों से प्राप्त कुछ वृक्षों से उपयोगी औषधियाँ भी बनाई जाती हैं। जैसे – सिनकोना से कुनैन बनती है।

9. वनों के अप्रत्यक्ष लाभ निम्नलिखित हैं –
   1) वर्षा लाने में सहायक – वृक्ष वर्षा लाने में सहायक होते हैं।

2) ऑक्सीजन की आपूर्ति – वृक्ष जीव जन्तुओं को ऑक्सीजन की आपूर्ति कराते है तथा कार्बन डाईऑक्साइड को अपने में समाहित कर लेते हैं।

3) खाद की प्राप्ति – वनों से हमें उत्तम प्रकार की खाद प्राप्त होती है। पत्ती, जड़ आदि मिट्टी में सड़ जाते है। ये सड़–गल कर खाद का निर्माण करते हैं।

4) बाढ़ तथा भूमि कटाव की रोकथाम :– ये अचानक बाढ़ों को आने से रोकते हैं, ये पानी के बहाव को कम कर देते हैं। वृक्षों की जड़े मिट्टी के कणों को जकड़े रखती हैं।

5) वन्यप्राणी – वनों में कई प्रकार के पशु पक्षी पाये जाते हैं। कई लोग उनका शिकार करते हैं या उन्हें देखने को जाते हैं।

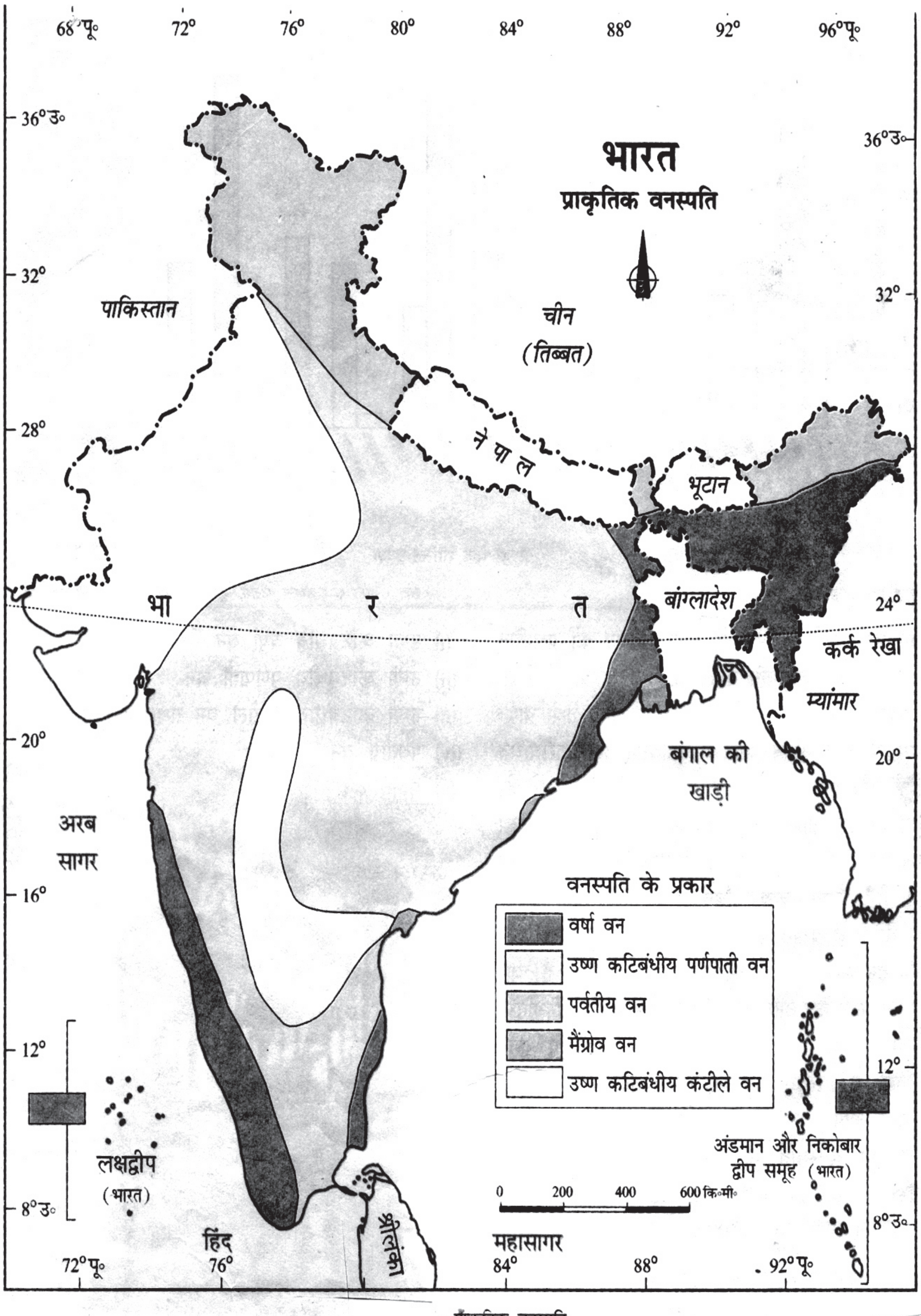
भारत
प्राकृतिक वनस्पति
पाकिस्तान
चीन
(तिब्बत)
नेपाल
भूटान
भा र त
बांग्लादेश
कर्क रेखा
म्यांमार
बंगाल की खाड़ी
अरब सागर
वनस्पति के प्रकार
वर्षा वन
उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन
पर्वतीय वन
मैंग्रोव वन
उष्ण कटिबंधीय कंटीले वन
लक्षद्वीप (भारत)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (भारत)
श्रीलंका
हिंद महासागर
0 200 400 600 कि॰मी॰
68°पू॰
72°
76°
80°
84°
88°
92°
96°पू॰
36°उ॰
32°
28°
24°
20°
16°
12°
8°उ॰
72°पू॰
92°पू॰

: प्राकृतिक वनस्पति

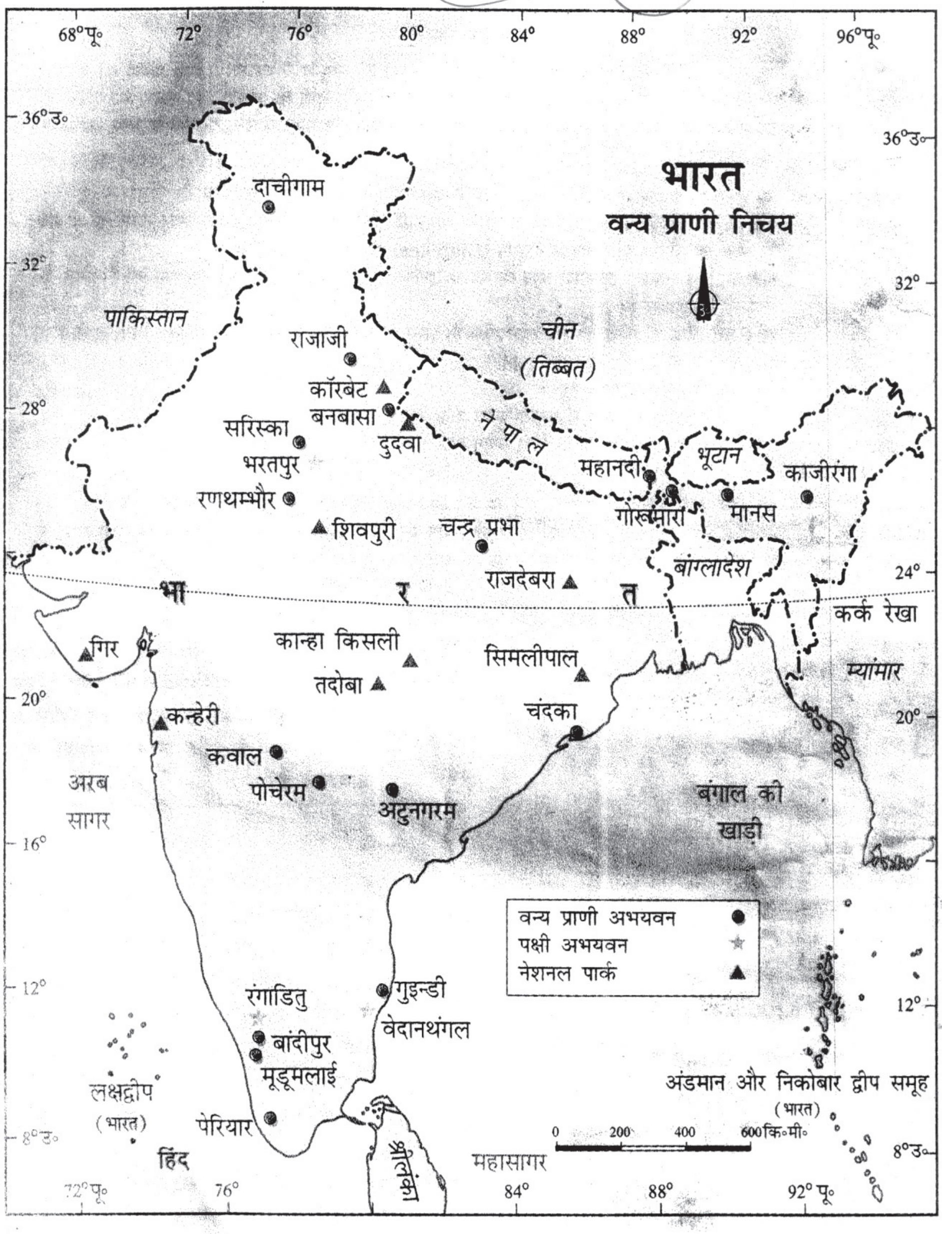

[redacted] वन्य प्राणी निचय